भारत का पहला आनुवंशकि संसाधन बैंक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रीय वन्यजीव आनुवंशकि संसाधन बैंक का उद्घाटन हैदराबाद, तेलंगाना में सेलुलर और मोलक्यिूलर बायोलॉजी (CCMB) प्रयोगशाला के केंद्र में कयिा गया।

प्रमुख बदिु

- यह भारत का पहला आनुवंशकि संसाधन बैंक है जहाँ आनुवंशकि सामग्री को भावी पीढ़ी के लयि संग्रहीत कयिा जाएगा।
- इसका मुख्य उद्देश्य लुप्तप्राय और संरक्षति कयि जाने योग्य जानवरों को संरक्षण प्रदान करना है।
- यह ऊतक, शुक्राणु, अंडे और भ्रूण, आनुवंशकि सामग्री (DNA/RNA) का व्यवस्थति संग्रह और संरक्षण करेगा।
- यह बैंक आनुवंशकि संसाधनों को संरक्षति करने के लयि अत्याधुनकि उपकरणों से लैस है जसिका प्रयोग पशु प्रजातयिों के वलिुप्तकि मामले उनके पुनरुत्थान हेतु कयिा जा सकता है।
- यह भारत में लुप्तप्राय जंगली पशु प्रजातयिों के जीवति सेल, गैमेट्स और भ्रूण को क्रायोप्रजिर्व करेगा।
- इस सुवधिा को वकिसति करने में सीसीएमबी शोधकर्त्ताओं का प्रमुख योगदान है।

लाकोनस (LaCONES) क्या है?

- यह सीसीएमबी के अंतर्गत कार्य करने वाला अनुसंधान वभिाग है।
- CCMB-LaCONES भारत की एकमात्र प्रयोगशाला है जसिने जंगली जानवरों के वीर्य और ओसाइट्स के संग्रह और क्रायोजेनकि प्रजिर्वेशन के तरीकों का वकिास कयिा है तथा सफलतापूर्वक ब्लैकबक, स्पॉट हरिण और कबूतरों का पुनरुत्पादन कयिा है।

सीसीएमबी (CCMB)

- यह आधुनकि जीवविज्ञान के अग्रगामी क्षेत्रों में शोध करने वाला एक प्रमुख अनुसंधान संगठन है।
- इसकी स्थापना 01 अप्रैल, 1979 को हुई।
- अपनी स्थापना के समय सीसीएमबी क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में की गई, कंतिु बाद में CSIR द्वारा वर्ष 1978 में आधुनकि जीवविज्ञान के क्षेत्र में अग्रगामी एवं बहु-आयामी शोधकार्य के लयि इस केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।
- वर्ष 1981-82 के दौरान सीसीएमबी को एक पूर्ण वकिसति राष्ट्रीय प्रयोगशाला का दर्जा दयिा गया।

उदेश्य

- इस अनुसंधान संगठन का उद्देश्य आधुनकि जीवविज्ञान के क्षेत्र में अग्रगामी एवं बहुआयामी शोधकार्य एवं उनके संभावति अनुप्रयोगों की खोज करना है।
- आधुनकि जीवविज्ञान के अग्रणी क्षेत्र में लोगों को प्रशक्षिण प्रदान करना जसिसे इस क्षेत्रों में वकिास की आवश्यकताओं को पूरा कयिा जा सके।
- इसके अंतर्गत ऐसी तकनीकों के बारे में अन्य संस्थानों के शोधकर्त्ताओं को अल्पकालकि प्रशक्षिण प्रदान करना शामलि है जो अन्यत्र कहीं भी उपलब्ध नहीं है।
- जीवविज्ञान क्षेत्र के अंतर्गत अंतर्वषियी शोधकार्यों के लयि नई एवं आधुनकि तकनीकों हेतु देश में केंद्रीकृत सुवधिा प्रदान करना।
- इस बात को सुनश्चिति करना कयि सुवधिाएँ सुनयिोजति, सुव्यवस्थति एवं प्रभावी हों, जसिसे देश के अन्य संस्थानों एवं प्रयोगशालाओं के शोधकर्त्ताओं द्वारा इन्हें भरपूर उपयोग में लाया जा सके।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-wildlife-genetic-resource-bank-dedicated-to-nation